Nai Duniya (Indore), 5th September 2025, Page- 01

आइआइटी मद्रास लगातार सातवें वर्ष बना देश का सर्वश्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: छात्रों की सहूलियत के लिए शुरू की गई नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) की इंडिया रैंकिंग-2025 में आइआइटी मद्रास एकबार फिर देश का सर्वश्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान चुना गया है। संस्थान ने लगातार सातवें वर्ष इस सूची में जगह बनाई है। वहीं देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल कैटेगरी में आइआइएससी बेंगलुरु दूसरे और आइआइटी बांबे तीसरे स्थान पर रहे हैं। ओवरआल कैटेगरी के टाप-10 में छह संस्थान दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के हैं। इनमें आइआइटी दिल्ली (चौथा), आइआइटी कानपुर (पांचवां), आइआइटी रुड़की (सातवां), एम्स दिल्ली (आठवां), जेएनयू (नौवां) व बीएचयू (दसवां) शामिल हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को उच्च शिक्षण संस्थानों की इंडिया रैंकिंग-2025 की घोषणा की। इस बार यह रैंकिंग 17 कैटेगरी में जारी की गई है। इनमें नई कैटेगरी सतत विकास लक्ष्य की बनाई गई है। रैंकिंग में इस बार देश के 14,163 उच्च शिक्षण संस्थानों से हिस्सा लिया। इनमें सबसे अधिक 5,268 संस्थान दक्षिण भारत से थे। पश्चिम भारत के 4,702, उत्तर भारत के 2304, जबकि पूर्वी भारत के 1889 संस्थान शामिल थे। प्रधान ने एनआइआरएफ की इंडिया रैंकिंग-2025 जारी करने के दौरान इनमें उच्च शिक्षण संस्थानों की और भागीदारी को बढ़ाने का सुझाव और इसे अगले वर्ष तक 15 हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य दिया। गौरतलब है कि उच्च शिक्षण संस्थानों की इस रैंकिंग के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों को दाखिले के दौरान किसी तरह के भटकाव से बचाना है। साथ ही संस्थानों के बीच एक प्रतिस्पर्धी माहौल भी बनता है। उच्च शिक्षण संस्थानों की इस रैंकिंग की शुरुआत वर्ष 2016 में की गई थी।

ओवरआल कैटेगरी : टाप-10	विश्वविद्यालय कैटेगरी : टाप-10
1. आइआइटी, मद्रास	1. आइआइएससी, बेंगलुरु
2. आइआइएससी, बेंगलुरु	2. जेएनयू, दिल्ली
3. आइआइटी, बांबे	3. मनिपाल एकेडमी आफ हायर एजुकेशन, मनिपाल
4. आइआइटी, दिल्ली	4. जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
5. आइआइटी, कानपुर	5. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
6. आइआइटी, खड़गपुर	6. बीएचयू, वाराणसी
7. आइआइटी, रुड़की	7. बिड़ला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, पिलानी
8. एम्स, दिल्ली	8. अमृता विश्व विद्यापीठम, कोयंबटूर
9. जेएनयू, दिल्ली	9. जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता
10. बीएचयू	10. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

17 कैटेगरी में जारी की गई रैंकिंग

ओवरआल, विश्वविद्यालय, कालेज, शोध संस्थान, इनोवेशन, राज्य विश्वविद्यालय, मुक्त विश्वविद्यालय, कौशल विकास विश्वविद्यालय, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी, कानून, मेडिकल, डेंटल, आर्कीटेक्ट एंड प्लानिंग व एग्रीकल्चर एंड एलाइड सेक्टर।

इन मानकों के आधार पर तैयार की गई रैंकिंग

छात्रों की संख्या, शिक्षक-छात्र अनुपात, पीएचडी वाले शिक्षकों की संख्या, वित्तीय प्रबंधन, आनलाइन शिक्षा, एनईपी की सिफारिशों को अपनाना (जिनमें कभी भी बीच में पढ़ाई छोड़ने व शामिल होने की सुविधा, भारत ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषा में शिक्षा), शोध पत्रों का प्रकाशन, शोध प्रोजेक्ट, पेटेंट, प्लेसमेंट, परीक्षा पैटर्न आदि।

आइआइटी इंदौर की 12वीं, आइआइएम इंदौर की आठवीं रैंक

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2025 की सूची में दूसरी मर्तबा राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) इंदौर ने जगह बनाई है। श्रेणी में विश्वविद्यालय ने 50.41 अंक अर्जित कर 49वां स्थान प्राप्त किया है। पिछले साल की तुलना में इस बार एक पायदान ऊपर आया है। 2024 की रैंकिंग में डीएवीवी ने 48.35 अंक हासिल कर 50वां स्थान पाया था। जबकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी इंदौर) का प्रदर्शन बेहतर रहा है, जो चार पायदान ऊपर आया है। 2025 में 66.65 अंक प्राप्त कर 12वें स्थान पर रहा है, जो पिछले साल 64.72 अंकों के साथ 16वां रैंक पर था। प्रबंधन श्रेणी में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम इंदौर) ने रैंक बरकरार रखी है। 2023 से लेकर 2025 तक संस्थान आठवें स्थान पर रहा है। 2025 में संस्थान को 75.68 अंक मिले हैं।

आइआइएम: बरकरार रखी अपनी रैंक

आइआइएम इंदौर की 2024 की तुलना में इस वर्ष 2.15 अंकों की वृद्धि हुई है। संस्थान में नए पाठ्यक्रम शुरू होने, नवाचार और शोध कार्य बढ़ाने व एजेंसियों के लिए कंसल्टेंसी बढ़ने से पिछली रैंक (आठवीं) बरकरार रही।

आइआइटी: चार पायदान का सुधार

रैंकिंग में आइआइटी इंदौर पिछले साल16 वें स्थान पर था, अब 12 वें स्थान पर आ गया है। ओवरआल रैंकिंग में 27वें स्थान पर आया है। पिछले वर्ष के मुकाबले एक पायदान का यहां पर सुधार हुआ है। शोध संस्थान श्रेणी में 24वें से सीधे 21वें स्थान पर संस्थान पहुंच गया है।